CPL–01

December – Examination 2023

Certificate in Prakrit Language

प्राकृत साहित्य का इतिहास

Paper : CPL-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) मागधी प्राकृत में कितने वचन होते हैं ?

   (ii) भगवान महावीर ने अपना उपदेश किस भाषा में दिया था ?

   (iii) उपांग साहित्य की संख्या कितनी मानी गई है ?

(iv) शौरसेनी प्राकृत किसे कहते हैं ?

(v) सेतुबन्ध के रचनाकार कौन हैं ?

(vi) रामपाणिवाद कृत प्राकृत ग्रंथ का नाम लिखिए।

(vii) पउमचरिउ में पउम कौन हैं ?

(viii) प्राकृत के किसी नायिकाप्रधान चरित काव्य का नाम लिखिए।

(ix) सन्मतिप्रकरण में किस जैन सिद्धांत की स्थापना की गई है ?

(x) अंगविज्जा में कुल कितने अध्याय हैं ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. पउमचरिउ के आधार पर राम का चरित्र चित्रण कीजिए।

3. कवि राजशेखर के कृतित्व एवं व्यक्तित्व का वर्णन कीजिए।

4. महाराष्ट्री प्राकृत के साहित्य का परिचय दीजिए।

5. मृच्छकटिकम् में प्रयुक्त प्राकृत के प्रयोग को स्पष्ट कीजिए।

6. प्राकृत कथा साहित्य में वसुदेवहिण्डी के महत्व पर प्रकाश डालिए।

7. वर्तमान समय में आगम साहित्य की उपयोगिता की समीक्षा कीजिए।

8. कम्पयडि ग्रंथ में प्रतिपादित दार्शनिक तत्वों का विवेचन कीजिए।

9. लीलावई में रसविवेचन का वर्णन कीजिए।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. भास रचित स्वप्नवासवदत्त में प्राकृत के प्रयोग विषय पर प्रकाश डालिए।

11. गउडवहो महाकाव्य में मुख्य रस कौनसा है ? लेख लिखिए।

12. प्राकृत दार्शनिक साहित्य की वर्तमान में प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए।

13. पउमचरिउ की भाषा शैली का विवेचन कीजिए।